

20/2/19 फतावमी केश ड्ड | आधिपन्त। वाही अनुभाषित।  
 आपजे लवई जई किन्तु न ठा वाही ना ही आधिपन्त  
 वाही अण | अतः वाह वाही अहम धजली / अहम देके  
 आदिज क्रिया जाता है। अतः  
 फतावमी केश सुमार डेकर नमद ले वन

की जाके) @ Accem .



सहायक कलक्टर एवं  
 कार्यपालक मजिस्ट्रेट  
 (फास्ट ट्रेक) मावली